Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

6

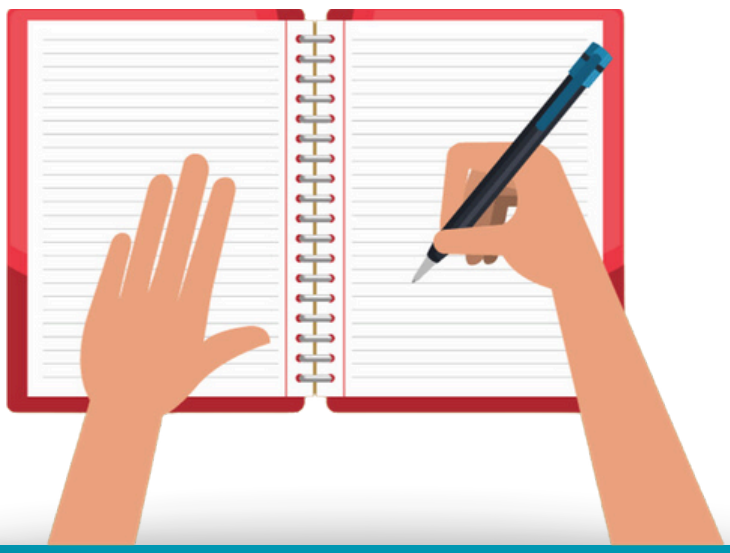

टी.बी और भारत में इलाज का खर्च सबसे बड़ी समस्या

टी.बी. (ट्यूबरकुलोसिस) और भारत में इसका इलाज एक महत्वपूर्ण और गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जो देश में लाखों लोगों को प्रभावित करती है। टी.बी. भारत में एक प्रमुख स्वास्थ्य चुनौती है और इस बीमारी के इलाज के खर्च को लेकर कई चुनौतियां सामने आती है।

टी.बी और भारत में इसके प्रसार की स्थिति

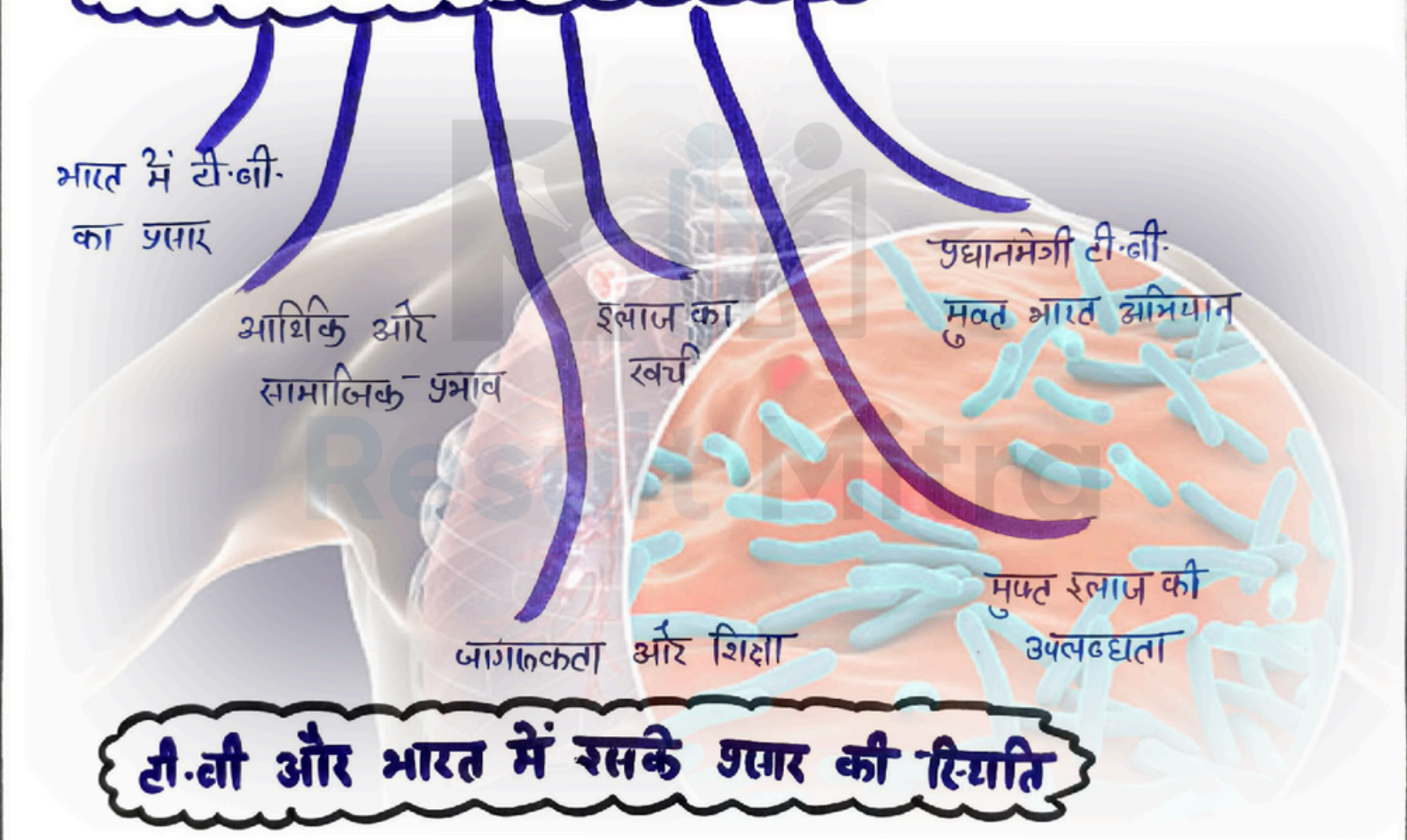

टी.बी और भारत में इसके प्रसार की स्थिति

भारत दुनिया का सबसे बड़ा टी.बी. प्रभावित देश है जहाँ प्रतिवर्ष लाखों नए मामले आते है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के आंकड़ों के अनुसार भारत में हर साल लगभग 2.7 मिलियन टी.बी. के मामले सामने आते हैं

(२) आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

(३) इलाज का खर्च

(४) मुफ्त इलाज की उपलब्धता

(५) प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान – 2018 में शुरुआत
(2025 तक टी.बी. को समाप्त करने का लक्ष्य)

(६) जागरूकता और शिक्षा

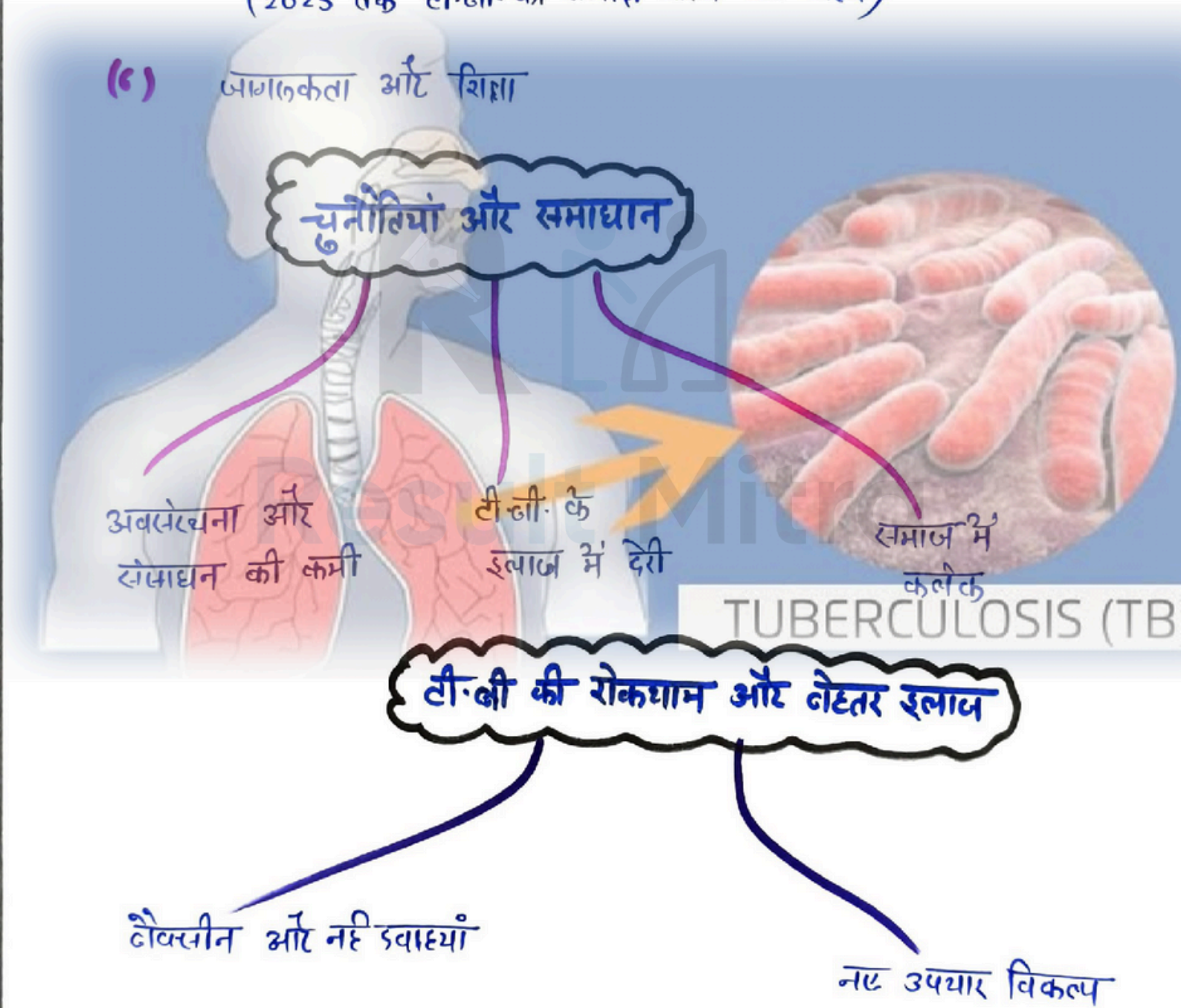

@resultmitra www.resultmitra.com

टीबी यानी क्षय रोग

टी.बी यानी क्षय रोग माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नाम के जीवाणु से होने वाली बीमारी है जो फेंफड़ों को प्रभावित करती है लेकिन यह शरीर के किसी भी हिस्से में हमला कर सकती है

टी.बी से जुड़ी दो स्थितियाँ होती है

- निष्क्रिय टी.बी.
- अत्यक्ष टीबी.

Result Mitra

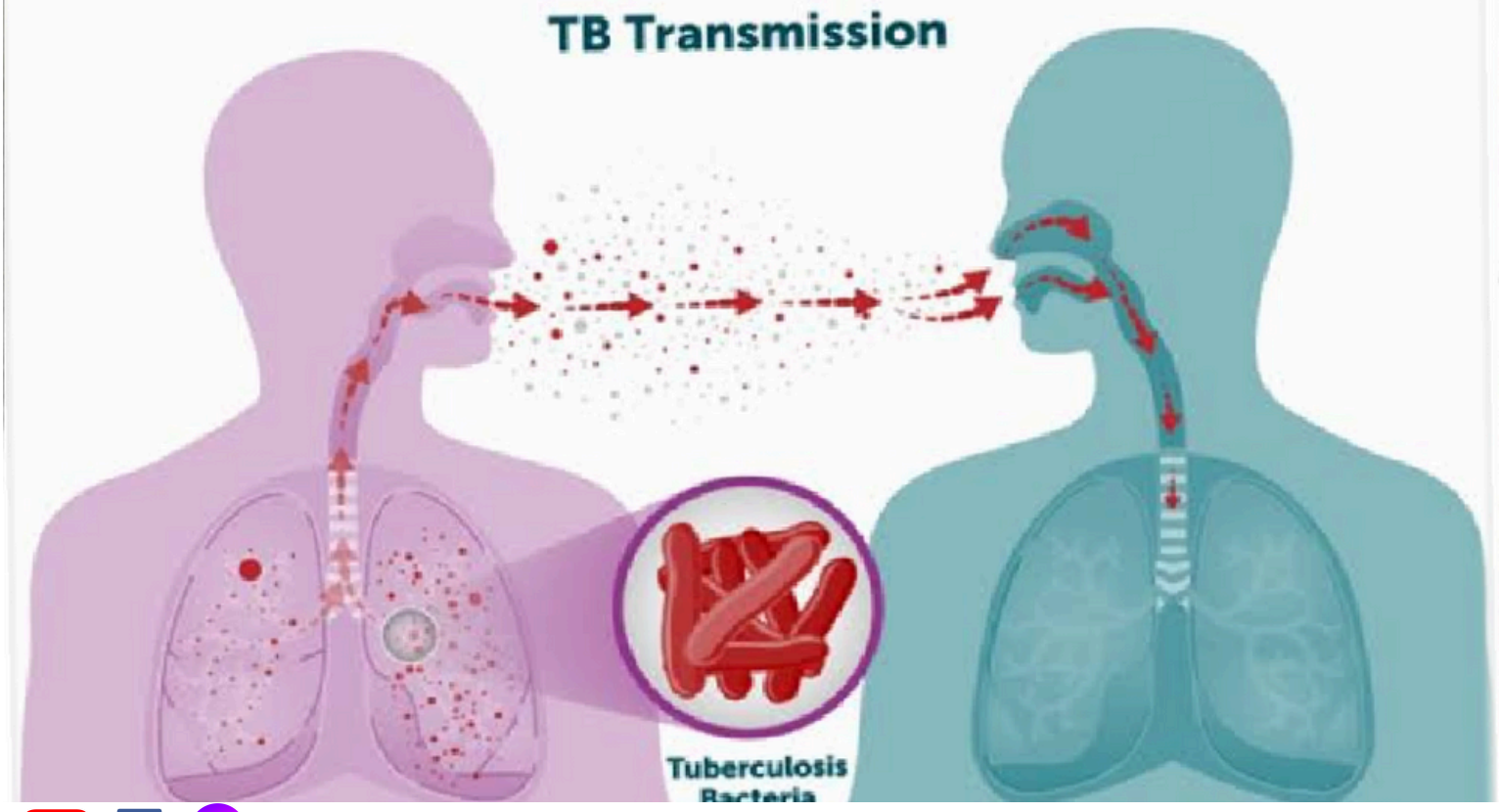

टी.बी. (क्षय रोग) और भारत में इलाज की समस्या

सरकार की पहल:

1. **राष्ट्रीय टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP):**
   - पहले यह RNTCP (Revised National TB Control Programme) के नाम से जाना जाता था।
   - इसका उद्देश्य टी.बी. के मरीजों का निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना है।
2. **डॉट्स रणनीति:**
   - डायरेक्टली ऑब्जर्व्ड ट्रीटमेंट शॉर्ट कोर्स (DOTS):मरीज को नियमित दवा देने और निगरानी रखने की रणनीति।
3. **निक्षय योजना:**
   - निक्षय पोषण योजना:
     - टी.बी. मरीजों को ₹500 प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाती है।
   - टी.बी. के मरीजों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ट्रैक करना।
4. **टी.बी. मुक्त भारत अभियान:**
   - यह जनभागीदारी और सामुदायिक सहयोग के माध्यम से टी.बी. को खत्म करने पर केंद्रित है।
5. **टी.बी. परीक्षण और उपचार:**
   - सभी सरकारी अस्पतालों में निशुल्क जांच और उपचार की सुविधा।
   - CBNAAT और ट्रूनैट मशीनें उन्नत जांच तकनीक के लिए उपलब्ध कराई गई हैं।

टी.बी. के प्रकार:

- लैटेंट टी.बी.: बैक्टीरिया शरीर में निष्क्रिय रहता है और कोई लक्षण नहीं दिखते।
- सक्रिय टी.बी.: लक्षण दिखाई देते हैं और रोग संक्रामक हो जाता है।

यमुना नदी और प्रदूषण एक गहन समस्या

यमुना नदी जो उत्तर भारत की एक महत्वपूर्ण जल धारा है। प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रही है। यह नदी दिल्ली उत्तरप्रदेश और हरियाणा से होकर बहती है और देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का हिस्सा मानी जाती है

यमुना नदी के प्रदूषण की स्थिति

- पानी की गुणवत्ता
- द्वारका से दिल्ली तक प्रदूषण
- औद्योगिक और कृषि प्रदूषण
- सीवेज और अपशिष्ट जल
- औद्योगिक अपशिष्ट
- अवैध निर्माण और भूमि उपयोग

Result Mitra

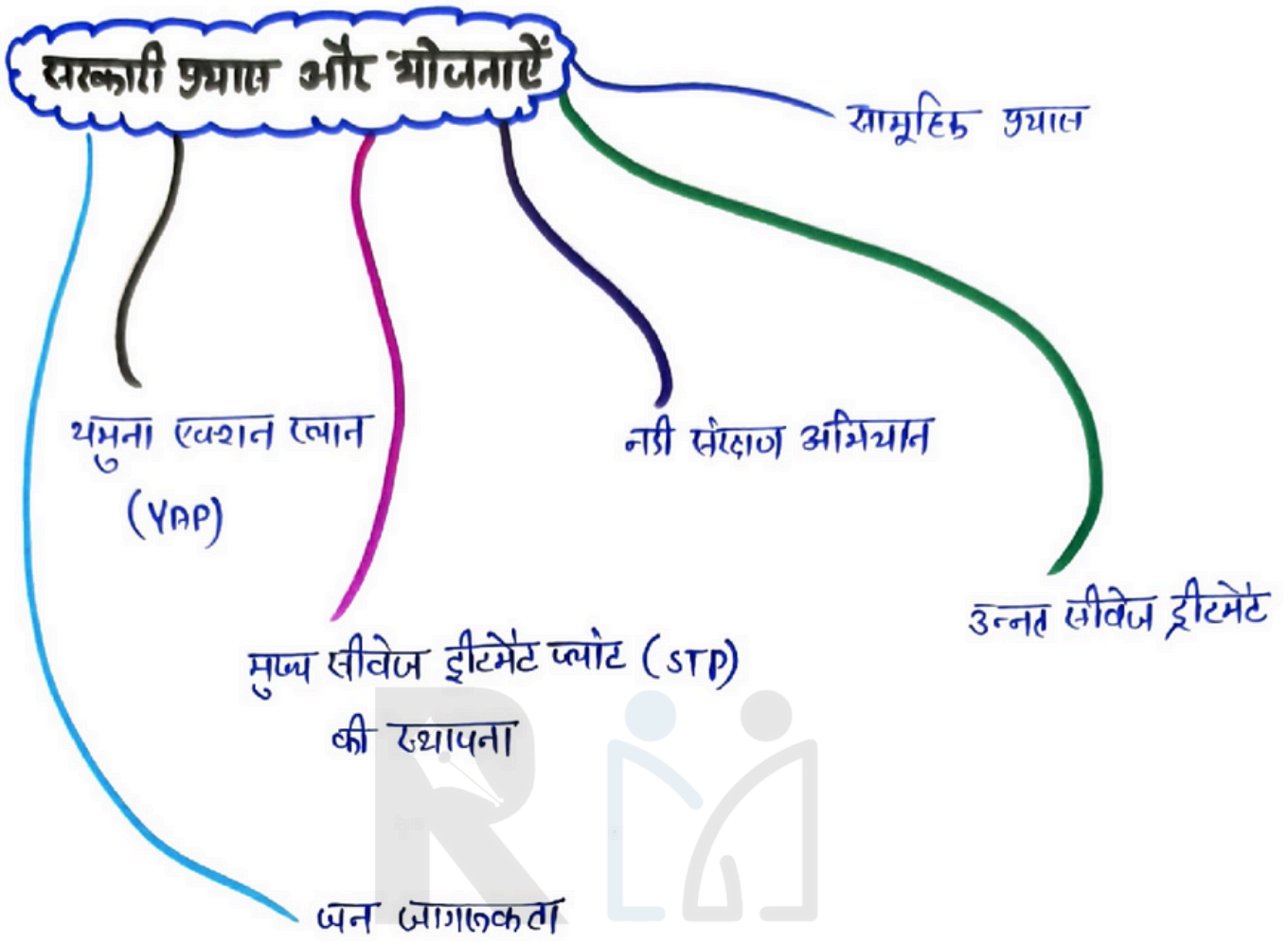

सरकारी प्रयास और योजनाएँ

- सामूहिक प्रयास
- यमुना एक्शन प्लान (YAP)
- मुख्य सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) की स्थापना
- नदी संरक्षण अभियान
- उन्नत सीवेज ट्रीटमेंट
- जन जागरूकता

Result Mitra

यमुना नदी और प्रदुषण एक गहन समस्या

सरकार द्वारा प्रयास:

1. यमुना एक्शन प्लान (YAP):
    - यह 1993 में शुरू किया गया था।
    - उद्देश्य: यमुना नदी के प्रदूषण को कम करना।
    - दो चरण पूरे हो चुके हैं, और तीसरा चरण चल रहा है।
2. नमामि गंगे परियोजना:
    - यमुना, गंगा की सहायक नदी होने के कारण इस परियोजना का हिस्सा है।
    - सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) का निर्माण और विस्तार किया गया है।
3. दिल्ली सरकार की योजनाएँ:
    - यमुना नदी के किनारों पर झुग्गी-झोपड़ियों को हटाना।
    - नालों के पानी को नदी में गिरने से रोकने के लिए इंटरसेप्टर ड्रेन प्रोजेक्ट।
4. नया प्रयास:
    - "जल शक्ति अभियान" के तहत नदी की सफाई और जागरूकता अभियान।
    - नालों के उपचार के लिए बायो-रेमेडिएशन तकनीक का उपयोग।

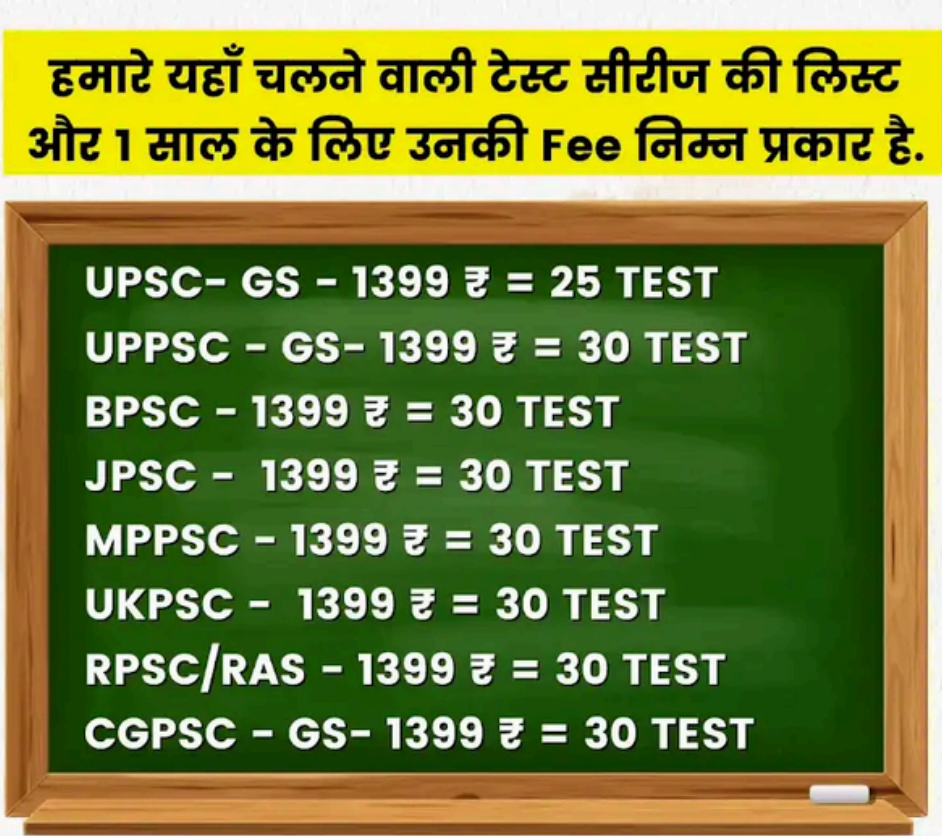

भारत में भूजल स्थिति और उसकी गुणवत्ता चिंताजनक

भारत में भूजल (Ground water) संसाधन अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह देश के अधिकांश हिस्सों में पीने, कृषि, उद्योग और घरेलू जरूरतों के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करता है

(i) भारत में भूजल संकट की स्थिति

- जल स्तर में गिरावट
- गंभीर जल संकट वाले क्षेत्र
- बड़े शहरों में भू-जल संकट

2. भूजल गुणवत्ता में गिरावट

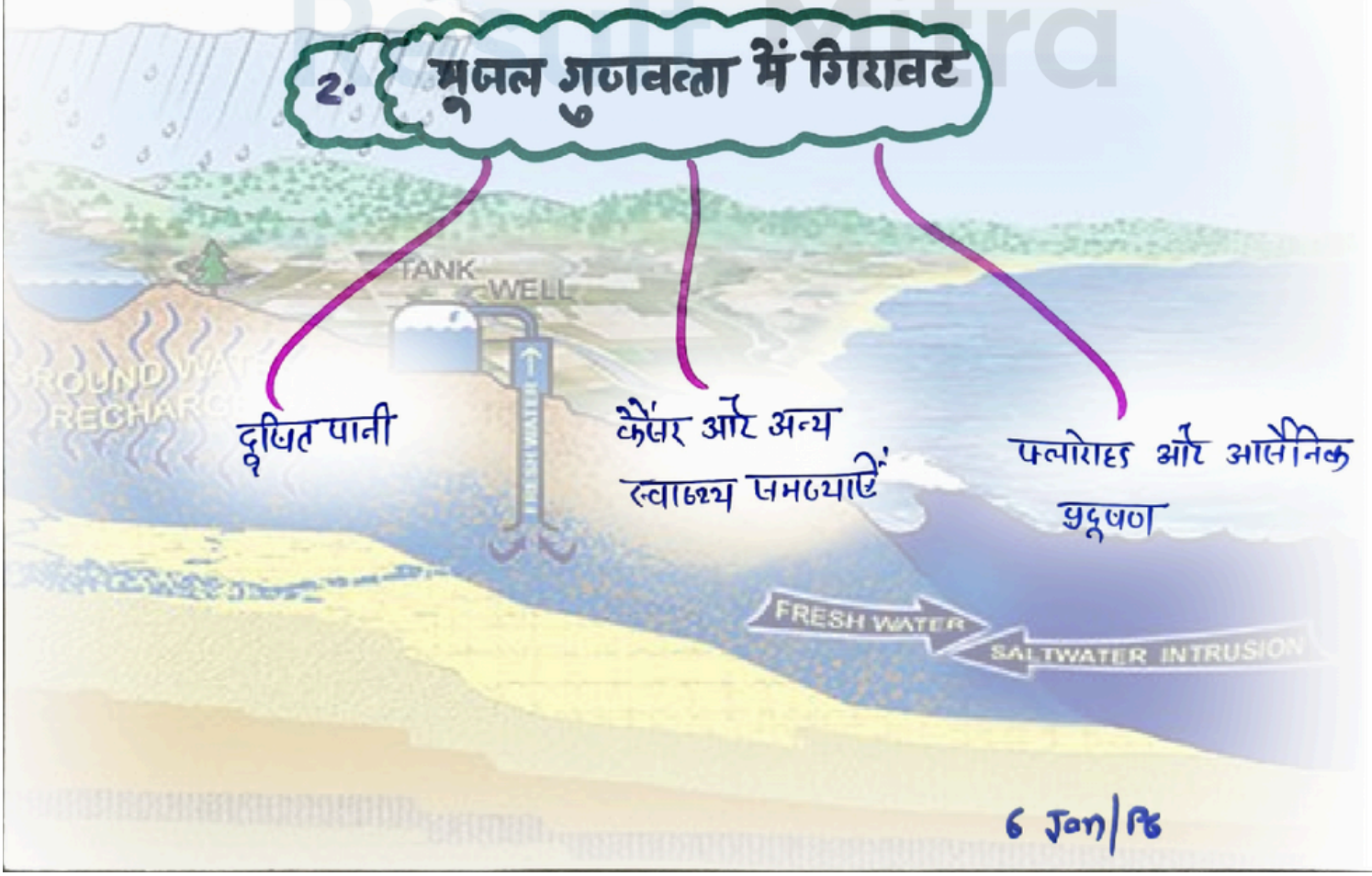

- दूषित पानी
- कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ
- फ्लोराइड और आर्सेनिक प्रदूषण

6 Jan/26

3. भूजल पर बढ़ती निर्भरता

(1) सिंचाई में जल का अत्यधिक उपयोग

(2) जल संकट का बढ़ता खतरा

(3) कृषि में निर्भरता

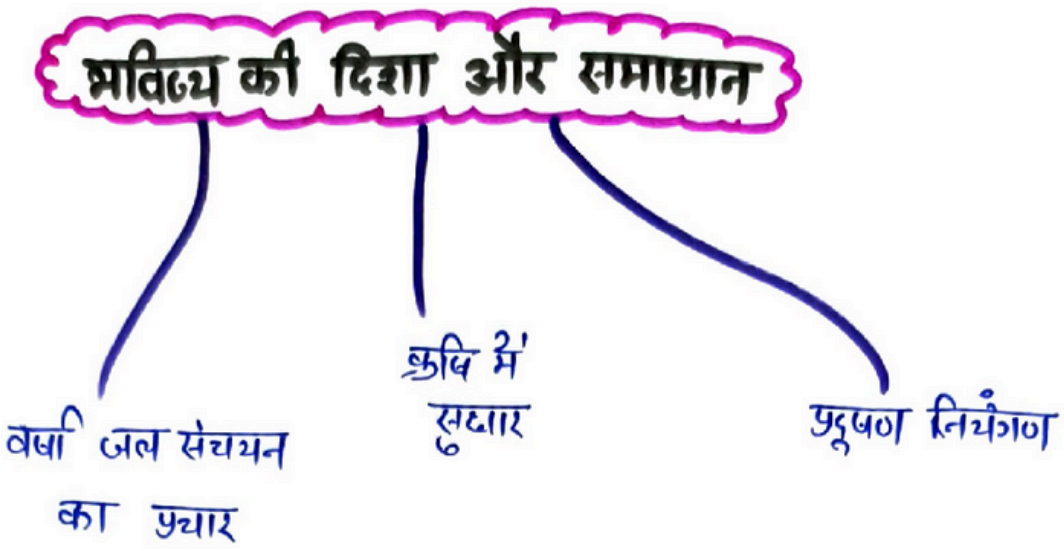

भविष्य की दिशा और समाधान

- वर्षा जल संचयन का प्रचार
- कृषि में सुधार
- प्रदूषण नियंत्रण

Result Mitra

भारत में भूजल स्थिति और गुणवत्ता चिंताजनक

सरकार की पहल:

1. अटल भूजल योजना (Atal Bhujal Yojana):
o उद्देश्य: भूजल प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना।
o बजट: ₹6,000 करोड़।
o प्रमुख राज्य: महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश।
2. जल शक्ति अभियान:
o भूजल पुनर्भरण (Recharge) के लिए जल संरक्षण उपायों को बढ़ावा देना।
o उद्देश्य: वर्षा जल संचयन और कुशल जल उपयोग।
3. राष्ट्रीय जल मिशन (National Water Mission):
o जल संसाधनों का संरक्षण और सतत उपयोग सुनिश्चित करना।
o उद्देश्य: “हर बूंद का अधिकतम उपयोग”।
4. ग्रामीण जलापूर्ति योजना:
o ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल की गुणवत्ता सुधारने और प्रदूषण को कम करने के लिए कार्य।

Result Mitra

भूजल का महत्व:

1. भूजल की उपयोगिता:
o भारत में पीने के पानी, सिंचाई, और उद्योगों के लिए लगभग 85% पानी भूजल से प्राप्त होता है।
o यह जल संसाधनों का एक प्रमुख स्रोत है और देश के सामाजिक-आर्थिक ढांचे का आधार है।
2. वैश्विक संदर्भ:
o भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल उपयोग करने वाला देश है।
o वैश्विक भूजल उपयोग का लगभग 25% हिस्सा भारत में है।

बांग्लादेश भारत और शेख हसीना अहिल मुद्दा

नई दिल्ली और ढाका द्वारा पिछले कुछ महीनों के दौरान अपने आपसी रिश्तों को बिगाड़ने वाले अन्य मुद्दों को सुलझाने की कोशिश के संकेतों के बीच भारत ने शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने की बांग्लादेश की मांग का मसला अहिल बना हुआ है। और कोई भी पक्ष इस पर टस-से-मस होने को राजी नहीं है।

- वर्ष 2013 में भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि हुई जिसे 2016 में संशोधित किया गया।
- ज्ञातव्य है कि साल 1975 में शेख हसीना के पिता शेख मुजीब-उर-रहमान एवं उनके परिवार के लड़कों की हत्या और भारत में उनके पहले निर्वासन ने इस रिश्ते को मजबूत किया।

ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भ

(1) 1971 का युद्ध और स्वतंत्रता - परिणाम - भारत बांग्लादेश संबंधों के सुधार
(2) शेख मुजीबुर रहमान और शेख हसीना का राजनीतिक इतिहास
(3)

भारत - बांग्लादेश संबंधों के अहिल मुद्दे

(1) रोहिंग्या संकट
(2) नदी-जल विवाद
(3) बांग्लादेशी प्रवासियों का मुद्दा
(5) राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा विवाद

शेख हसीना का भारत के साथ संबंध

- कूटनीतिक और आर्थिक संबंध
- बीएसएफ और सीमा सुरक्षा
- पारस्परिक समर्थन

आने वाले समय में रिश्तों की दिशा।

- आर्थिक संबंधों में विस्तार
- सीमा सुरक्षा और आतंकवाद
- जल और पर्यावरणीय सहयोग

Result Mitra

भारत-बांग्लादेश संबंध और शेख हसीना

व्यापार और आर्थिक सहयोग:

- व्यापार असंतुलन:
  - बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, लेकिन व्यापार में असंतुलन है।
  - भारत बांग्लादेश को निर्यात करता है, लेकिन बांग्लादेश के आयात में सुधार की आवश्यकता है।
- कनेक्टिविटी परियोजनाएँ:
  - भारत ने बांग्लादेश को सड़क, रेल और जलमार्ग से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शुरू की हैं।
  - मैत्री एक्सप्रेस: कोलकाता और ढाका के बीच रेल सेवा।
  - चटगाँव बंदरगाह: भारत को पूर्वोत्तर राज्यों के लिए उपयोग की अनुमति मिली।

1. जल विवाद:

- गंगा जल बंटवारा समझौता (1996):
  - भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा नदी के जल को साझा करने का समझौता हुआ।
  - समझौते के अनुसार, फरक्का बैराज के जरिए दोनों देशों को पानी का बंटवारा किया जाता है।
- तीस्ता नदी विवाद:
  - यह बांग्लादेश और भारत के बीच सबसे प्रमुख जल विवाद है।
  - बांग्लादेश तीस्ता नदी के पानी का अधिक हिस्सा मांगता है, लेकिन पश्चिम बंगाल इसका विरोध करता है।
  - समाधान लंबित है।

2. सीमा विवाद:

- 1974 का भूमि सीमा समझौता (LBA):
  - 2015 में इसे लागू किया गया।
  - भारत ने 111 भारतीय एन्क्लेव (17,160 एकड़) बांग्लादेश को सौंपे, और बदले में 51 बांग्लादेशी एन्क्लेव (7,110 एकड़) प्राप्त किए।
  - यह विवाद शांतिपूर्ण ढंग से सुलझा।
- अवैध प्रवास:
  - भारत में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का मुद्दा गंभीर है।
  - असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में यह एक प्रमुख सामाजिक-राजनीतिक मुद्दा है।

KGF से निकलेगा 100 टन सोना

KGF यानी कोलार गोल्ड फील्ड्स यह कर्नाटक के कोलार जिले में स्थित एक शहर है बेंगलुरु से करीब 100 KM दूर इस जगह का इतिहास और वर्तमान फिल्म से काफी अलग

ब्रिटिश और भारत सरकार ने 1880 से 2001 तक 121 सालों तक KGF से 900 टन से ज्यादा सोना निकाला

2001 में गोल्ड माइनिंग पर रोक लगा दी गई।

एक समय KGF को सोने का शहर और मिनी इंग्लैंड कहा जाता था।

हाल ही में KGF के मजदूरों और कर्मचारियों के एक संगठन ने 'PM मोदी को लेटर लिखकर दोबारा माइनिंग शुरू कराने की मांग की इसमें दावा है कि यदि KGF में माइनिंग शुरू हुई तो भारत के लिए अगले 100 सालों तक यह फायदे का सौदा हो सकता है

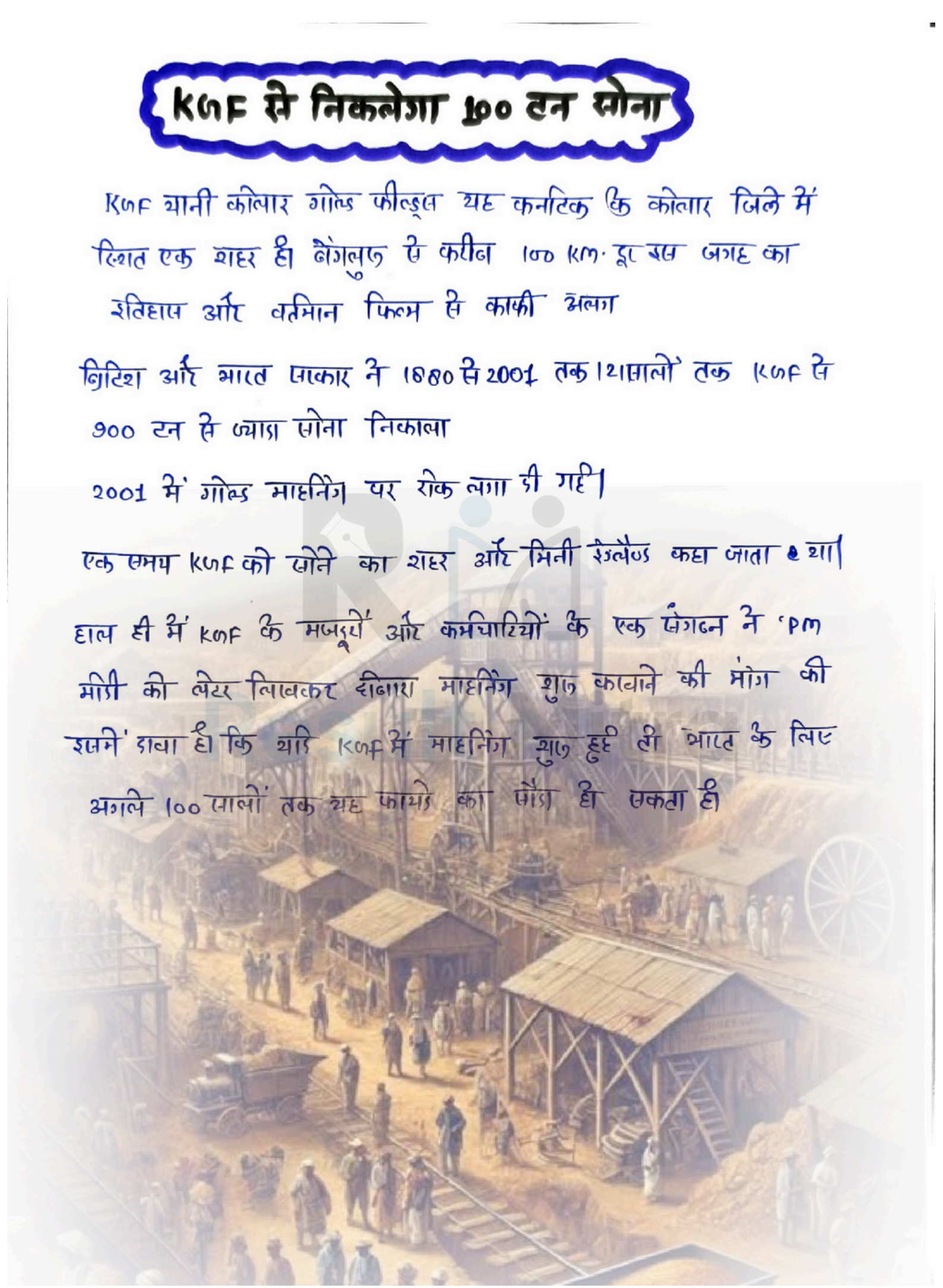

KGF का इतिहास

कोलार में करीब 2 हजार साल पहले से माइनिंग के दावे किये जाते हैं

यहां इतना सोना था कि लोग हाथों से गड्ढा खोदकर सोना निकालते थे।

आजादी से पहले देश के 95% सोने की डिमांड KGF से पूरी होती थी।

- 1004 से 1116 तक चोल साम्राज्य से जुड़े शिलालेखों में गोल्ड माइनिंग का जिक्र है।
- 1336 से 1646 तक विजयनगर राजवंश 1750 से 1799 तक टीपू सुल्तान ने भी सोना निकाला।
- 1802 में ब्रिटिश सरकार के लेफ्टिनेंट जॉन वॉरेन ने कोलार में सोने के भंडार पर रिसर्च शुरू किया।
- 1804 - 1860 - तक खुदाई
- 1880 में इंग्लैंड की जॉन टेलर एंड सेंस नाम की कंपनी ने कोलार में माइनिंग शुरू की।
- 1943 तक अंग्रेजों ने KGF से 503 टन सोना निकाला और 1947 तक अपना खजाना भरते रहे।
- राज्य सरकार ने जॉन टेलर एंड सेंस की माइनिंग कंसेशन अपॉइंट किया।
- 1972 में केन्द्र सरकार ने BGML को KGF सौंप दी।
- 1980 के दशक में BGML घाटे में चली गई।
- 200 में सोने के भंडार में कमी और BGML बंद

KOLAR GOLD
Mines might reopen

KGF में दक्षिण अफ्रीका और पश्चिम ऑस्ट्रेलिया की तरह ही सोने का भंडार है।

दक्षिण अफ्रीका हर साल 200 टन से ज्यादा सोना निकालता है। जबकि भारत में एक साल में सिर्फ 1 टन (1 हजार किलोग्राम) सोना उत्पादन होता है।

भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क

भारत ने हाल ही में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क वाला देश बन गया है।

- भारत का मेट्रो रेल नेटवर्क अब लगभग 700 किलोमीटर से अधिक विस्तारित हो चुका है।
- भारत का मेट्रो रेल नेटवर्क अब चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर है।
- चीन इस समय दुनिया का सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क वाला देश है। जिसमें 5000 किलोमीटर से अधिक मेट्रो ट्रैक है।

Result Mitra

मेट्रो रेल परियोजनाओं के लाभ

- कम समय में यात्रा
- पर्यावरणीय फायदे
- भीड़-भाड़ का समाधान
- आर्थिक विकास

चुनौतियां और भविष्य की राह

- नगरीय क्षेत्रों में जगह की कमी
- वित्तीय समस्याएं
- भविष्य में विस्तार

@resultmitra www.resultmitra.com